नईदुनिया

राष्ट्रमार्ग पर चलने वाले एक-एक व्यक्ति को भाजपा का सदस्य बनाएं : डा. यादव

विजय के इतिहास की तरह सदस्यता में भी इतिहास बनाएंगे : शर्मा, राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अतुलनीय योगदान देगा यह संगठन पर्वः डॉ.महेंद्र

भोपाल (काप्र)।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्रिमंडल के सदस्यों को मिस्डकॉल के माध्यम से (रेफरल कोड 1सी7डी4डी) सदस्यता दिलाकर मध्यप्रदेश में संगठन पर्व का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सदस्य बनने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने उनका मुंह मीठा कराया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में ढोल-ढमाकों के साथ आतिशबाजी कर उत्सव मनाया गया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रमार्ग पर चलने वाले एक-एक व्यक्ति को भाजपा का सदस्य बनाएं। जब भाजपा कार्यकर्ता लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने के लिए घर-घर संपर्क करें तो भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताएं और उन्हें एहसास दिलाएं कि भाजपा सरकार गरीबों के आंसू पोछने का कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि संगठन पर्व सत्ता के लिए नहीं, परिवार विस्तार व देश निर्माण का अभियान है। आपके सदस्य बनने से गरीबों के कल्याण वाली सरकार बनेगी। भाजपा कार्यकर्ता विधानसभा और लोकसभा चुनाव में विजय के इतिहास की तरह सदस्यता में भी इतिहास बनाएंगे। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व में हमारी संस्कृति सुरक्षित है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में धरती तो क्या चांद पर भी तिरंगा लहरा दिया और सूरज पर लहराने की तैयारी है। इस दौरान वर्ष 1952 में जनसंघ के गठन से लेकर 2024 की भारतीय जनता पार्टी के यात्रा वृतांत को एक लघु फिल्म के जरिए प्रदर्शित किया गया। मंच पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश शासन के मंत्री राकेश सिंह, राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे एवं अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य मंचासीन थे। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री, सदस्यता अभियान के प्रदेश प्रभारी भगवानदास सबनानी ने किया एवं आभार प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री माखन सिंह चौहान, प्रदेश शासन के मंत्री करण सिंह वर्मा, श्रीमती संपतिया उइके, तुलसी सिलावट, ऐंदल सिंह कंसाना, सुश्री निर्मला भूरिया, विश्वास सारंग, नारायण सिंह कुशवाह, नागर सिंह चौहान, प्रद्युम्न सिंह तोमर, चेतन्य काश्यप, इंदरसिंह परमार, रामनिवास रावत, श्रीमती कृष्णा गौर, धर्मेन्द्र लोधी, दिलीप जायसवाल, गौतम टेटवाल, लखन पटेल, नारायण पंवार, नरेन्द्र शिवाजी पटेल, श्रीमती प्रतिमा बागरी, दिलीप अहिरवार, श्रीमती राधा सिंह, श्रीमती सीमा सिंह, प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत, हरिशंकर खटीक, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, शैलेन्द्र शर्मा, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी उपस्थित रहे।

पंच निष्ठाओं के साथ सबको गले लगाएं लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बड़े लोग अपने उपयोग के लिए अपने घरों में हेलीकॉप्टर रखते हैं, लेकिन मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने गरीबों के घर तक हेलीकॉप्टर की सुविधा पहुंचाने का कार्य किया है। सदस्य बनाते समय भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश की जनता को बताएं कि भाजपा की सरकार गरीबों के लिए कार्य करने वाली सरकार है। छल, प्रपंच और झूठ की राजनीति करने वाले लोगों को जवाब देने के लिए भाजपा कार्यकर्ता पंचनिष्ठा के साथ सबको गले लगाएं और मध्यप्रदेश के लिए निर्धारित लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाकर इतिहास बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिस तरह आप सभी कार्यकर्ताओं ने विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में अपने अथक मेहनत से इतिहास बनाया है, उसी तरह लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाकर फिर इतिहास बनाएं।

लोकसभा में 2.24 करोड़ वोट भाजपा को मिले हैं, सभी को सदस्य बनाएं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रदेश में 2 करोड़ 24 लाख लोगों ने भाजपा को आशीर्वाद दिया है। मैं भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान करता हूं कि आप सभी कार्यकर्ता भाजपा को वोट देने वाले सभी लोगों को इस संगठन पर्व के तहत सदस्य बनाएं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस की झूठ और छल-कपट की राजनीति नहीं चलने देना है। उसके पीछे प्रत्येक बूथ पर सजग प्रहरी बनकर खडे रहना है। हमारे बूथ का कार्यकर्ता काम करता है तो छल कपट की राजनीति मध्यप्रदेश में नहीं चलती है। भाजपा के प्रत्येक बूथ पर 41 लाख कार्यकर्ताओं की फौज खड़ी है। यह सिर्फ भीड़ नहीं है, यह 41 लाख कार्यकर्ता वह हैं जो अपने बूथ को जीतने की रणनीति बनाते हैं। यही कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री अमित शाह की रणनीति पर काम करके बूथ को मजबूत बनाते हैं। करोडों कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के अभियान में इतिहास बनाने का काम करेंगे।

लोकमाता अहिल्या देवी के सम्मान में महेश्वर में होगी मंत्रि-परिषद की बैठक

वृंदावन ग्राम और शहरों में गीता भवन केन्द्रों की अभिनव योजना को केबिनेट की मंजूरी

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता अहिल्या देवी के 300वें जन्मोत्सव वर्ष पर लोकमाता के जन-कल्याण के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। सुशासन के साथ राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव की वृद्धि के लिए लोकमाता अहिल्या देवी के योगदान का आज राज्य मंत्रि-परिषद की बैठक में स्मरण किया गया।

मुख्यमंत्री ने आज मंत्रि-परिषद की औपचारिक बैठक प्रारंभ होने के पहले मंत्रीगण को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्रि-परिषद की आगामी बैठक खरगोन जिले के महेश्वर में रखी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्या देवी के कार्यों से देशवासियों को परिचित कराने के लिए विविध आयोजन किए जाएंगे। लोकमाता अहिल्या देवी ने राजकोष के अलावा स्वयंके कोष से जन-कल्याण के कार्यों को मूर्त रूप दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होल्कर परिवार के न्यास (खासगी ट्रस्ट) की व्यवस्था द्वारा पति की ओर से पत्नी को आय का 25 प्रतिशत अंश प्रदान करने की परम्परा की जानकारी भी दी। लोकमाता अहिल्या देवी ने निजी राशि से देश के अनेक स्थानों में मंदिरों के निर्माण और सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार के कार्य किए। मध्यप्रदेश सरकार ने 14 सदस्यीय समिति गठित की है, जो अहिल्या देवी की जन-कल्याण की भावना के साथ आत्म-निर्भर बनाने के उनके प्रयत्नों को व्यवहार में परिणित करने के संबंध में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का निर्णय करेगी। संस्कृति विभाग और अन्य विभागों की भागीदारी से सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने मंत्रि-परिषद के सदस्यों को बताया कि मध्यप्रदेश के मालवा और निमाड़ अंचल के साथ ही अन्य क्षेत्रों की प्रगति के लिए दशकों से लंबित इंदौर-मनमाड ब्राडगेज डबल लाइन की स्वीकृति केन्द्रीय केबिनेट द्वारा दी गई है। मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई दी और प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं रेल मंत्रीवैष्णव का आभार माना।

डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद के सदस्यों को इस रेल परियोजना की स्वीकृति के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह 18036 करोड़ रूपये लागत की रेल परियोजना प्रदेश के लिए नई लाइफ लाइन होगी। इकॉनामिक कॉरीडोर का विकास होगा। प्रदेश के बड़वानी, धार, खंडवा, खरगोन, इंदौर सहित निकटवर्ती जिले लाभान्वित होंगे। यहाँ 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से रेलें दौड़ेंगी। पूरे प्रदेश के जिले लाभान्वित होंगे, जिनमें ग्वालियर से सीधे जवाहर लाल नेहरू पोर्ट तक जाने की कनेक्टिविटी कम दूरी के साथ प्राप्त होगी। अनेक जनजातीय बहुल जिलों सहित राजगढ़ जैसे आकांक्षी जिले भी इससे लाभान्वित होंगे। यह परियोजना मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी वर्चुअली शामिल होते हुए रेल परियोजना की मंजूरी पर हर्ष व्यक्त किया।

डॉ. यादव ने जानकारी दी कि प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में एक वृंदावन गांव विकसित किया जाएगा। यह गांव स्वावलंबी एवं स्वच्छ और निर्मल होंगे। इनमें सामुदायिक भवन, सार्वजनिक शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं होंगी। वनांचल में वनोपज संग्रहण केन्द्र भी होंगे। पशुपालन और दुग्ध उत्पादन के साथ ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों के उपयोग से ग्राम नए स्वरूप में सामने आएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में गीता भवन प्रारंभ किए जाएंगे, जो वैचारिक अध्ययन केन्द्र भी होंगे। यहाँ पठन-पाठन की व्यवस्था होगी। भारतीय संस्कृति से अवगत करवाने वाली पुस्तकों का संग्रह होगा और विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से साहित्य उपलब्ध करवाया जाएगा। नगरीय विकास और आवास विभाग इस अभिनव योजना की रूपरेखा तैयार करेगा, इसके बाद गतिविधियां प्रारंभ होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उत्पन्न कर रही है। आगामी 27 सितम्बर को सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियां की जा रही हैं। अक्टूबर माह में रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

मोहासा-बाबई में विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपकरणों के विनिर्माण क्षेत्र की स्थापना की स्वीकृति

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा नीमच जिले की जावद-नीमच दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना लागत राशि 4 हजार 197 करोड़ 58 लाख रूपये, सैंच्य क्षेत्र 1 लाख 8 हजार 600 हेक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

स्वीकृत परियोजना से नीमच जिले की नीमच तहसील के 253 गाँव की 59700 हेक्टेयर एवं जावद तहसील के 212 गाँवों की 48900 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। मंत्रि-परिषद द्वारा विद्युत एवं नवीकरणीय उर्जा के उपकरणों के विनिर्माण क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई जिला नर्मदापुरम में पॉवर एवं रिन्युबल एनर्जी इक्यूपमेंट मेन्युफेक्चरिंग जोन की स्थापना एवं संचालन के लिए औद्यानिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अधीनस्थ संस्था एमपी इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड भोपाल को अधिकृत करने की स्वीकृति दी। मेन्युफेक्चरिंग जोन की स्थापना के लिए राज्य शासन की अंश राशि 93 करोड 50 लाख रूपये में से 40 प्रतिशत राशि अर्थात राशि 37 करोड़ 40 लाख रूपये समायोजन के बाद शेष 60 प्रतिशत राशि 56 करोड़ 10 लाख रूपये की प्रतिपूर्ति विभागीय बजट अंतर्गत प्राप्त राशि से किए जाने का अनुमोदन किया गया।

मंत्रि-परिषद द्वारा औद्योगिक क्षेत्र सीतापुर (द्वितीय चरण), जिला मुरैना में मेगा लेदर, फुटवेयर एण्ड एसेसरीज़ क्लस्टर डेव्हलपमेंट पार्क की स्थापना के लिए राज्य शासन की अंश राशि 111 करोड़ 4 लाख रूपये का बजट/वित्तीय अंश उपलब्ध करने की स्वीकृति दी गई। भारत सरकार को प्रेषित प्रस्ताव, औद्योगिक क्षेत्र सीतापुर (द्वितीय चरण), जिला मुरैना में कुल क्षेत्रफल 161.7 एकड़ पर मेगा लेदर, फुटवेयर एण्ड एसेसरीज क्लस्टर की स्थापना का अनुमोदन किया गया।

प्रस्तावित क्लस्टर में मान्य गतिविधियों अंतर्गत लेदर फुटवेयर, बैग्स, बैल्ट, जैकेट, गारमेंट, लेदर एसेसरीज़ जैसे कि वॉच स्ट्रैप, नॉन-लेदर फुटवेयर एवं लेदर से संबंधित अन्य विनिर्मित/ तैयार उत्पाद, मेगा लेदर, फुटवेयर एण्ड एसेसरीज़ क्लस्टर डेव्हलपमेंट क्लस्टर, जिला-मुरैना में निवेशकों को भूमि के विकास शुल्क, भूमि प्रब्याजी तथा लीज रेंट में दिये जाने वाली छूट के वित्तीय भार की प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा किये जाने का अनुमोदन किया गया। प्रस्तावित क्लस्टर में इकाइयों को भू-आवंटन के लिए प्रमुख सचिव, मप्र शासन औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग की अध्यक्षता में समिति के गठन का अनुमोदन किया गया।

मुरैना में मेगा लेदर, फुटवेयर एण्ड एसेसरीज़ क्लस्टर डेव्हलपमेंट पार्क की स्थापना के लिए राशि स्वीकृत

शासकीय योजनाओं का लाभ पाने, ई-केवायसी सत्यापित समग्र आईडी अनिवार्य

भोपाल। राज्य शासन के प्राय: सभी विभागों द्वारा विभिन्न प्रकार की हितग्राहीमूलक/समूहमूलक योजनायें एवं नागरिक सेवायें चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पाने के लिये आवेदकों को पोर्टल पर पंजीयन कराना होता है। अब राज्य शासन की सभी योजनाओं/सेवाओं के पंजीयन में संबंधितों की ई-केवायसी सत्यापित समग्र आईडी ही मान्य की जायेगी। यह प्रावधान सभी के लिये अनिवार्य कर दिया गया है। प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निकुंज कुमार श्रीवास्तव द्वारा इस आशय के दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये है। नये दिशा-निर्देशों में सभी विभागाध्यक्षों से कहा गया है कि वे अपने विभागीय वेब एप्लीकेशन में ई-केवायसी आधार सत्यापित समय आईडी का उपयोग करने एवं समग्र एपीआई से डाटा पाने के लिये संबंधित पोर्टल में आवश्यक संशोधन करें। मप्र स्टेट इलेक्ट्रानिक्स डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीएसईडीसी)की तकनीकी टीम द्वारा समग्र इंटीग्रेशन के संबंध में समुचित सुझाव एवं तकनीकी सहायता दी जायेगी। पंजीयन फार्म अथवा नामांकन का डेटा एवं फील्ड में ऐसी जानकारी, जो आधार ई-केवायसी सत्यापित समग्र आईडी से प्राप्त हो सकती है, इसके लिए एमपीएसईडीसी के साथ एपीआई के माध्यम से इंटीग्रेट कर डेटा ले लिया जाये। अन्य माध्यमों से ली जा रही आधार ई-केवायसी सत्यापित सेवाओं के स्थान पर समग्र पोर्टल के जरिये उपलब्ध कराई जा रही ई-केवायसी सेवा का ही उपयोग किया जाये। ऐसी विभागीय योजनाएं/सेवाएं, जो वर्तमान में ऑनलाइन उपलब्ध नही हैं, उनके लिए विभागों द्वारा चरणबद्ध रूप से ऑनलाइन पोर्टल / वेब ऐप्लिकेशन विकसित करने का कार्य आरंभ किया जाये। सभी विभाग हितग्राहियों का समग्र आईडी पर ई-केवायसी सत्यापन कराने के लिये जिला स्तर के अधिकारियों को भी निर्देशित करें।

स्पेशल खबर प्रदेश के तीन शिक्षकों को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार...

सुनीता गोधा, माधव प्रसाद और सुनीता गुप्ता होंगे सम्मानित

भोपाल(काप्र)।

प्रदेश के 3 शिक्षकों को वर्ष 2024 का राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड मिला है। चयनित शिक्षकों को 5 सितम्बर शिक्षक दिवस के मौके पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जायेगा। स्कूल शिक्षा विभाग के स्कूलों में कार्यरत माधव प्रसाद पटेल और डॉ. सुनीता गोधा को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिये सम्मानित किया जायेगा।

इसके अलावा डिण्डोरी जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय धामनगांव की शिक्षिका श्रीमती सुनीता गुप्ता को भी सम्मानित किया जायेगा। डॉ. सुनीता गोधा उच्च माध्यमिक शिक्षक के पद पर मंदसौर जिले के शासकीय हाई स्कूल खजूरिया सारंग में पदस्थ हैं। डॉ. सुनीता ने सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से नव-प्रवेशित जरूरतमंद छात्राओं को

डॉ. सुनीता गोधा स्थानीय बोली में नुक्कड़ नाटक, संगीत, चित्रकला के माध्यम से सामाजिक जागरूकता लाने का कार्य करती हैं।

गणवेश, स्कूल बैग, स्वेटर और कॉपी-पुस्तकें नि:शुल्क वितरित कीं। उन्होंने स्थानीय बोली में नुक्कड़ नाटक, संगीत, चित्रकला के माध्यम से सामाजिक जागरूकता लाने का कार्य अपने क्षेत्र में पिछले 25 वर्षों में किया है। डॉ. सुनीता राज्य आनंद संस्थान की राज्य मास्टर ट्रेनर भी हैं। उन्होंने अपने क्षेत्र में आनंदम गतिविधियों का भी आयोजन किया है। उन्होंने अपनी पद-स्थापना के दौरान शाला में श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम दिये हैं। उन्हें पूर्व में भी राज्य स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है।

माधव प्रसाद पटेल: माध्यमिक शिक्षक के रूप में कार्यरत माधव प्रसाद पटेल शासकीय नवीन माध्यमिक शाला लिधौरा विकासखण्ड बटियागढ़ जिला दमोह में पदस्थ हैं। इन्होंने विज्ञान शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये विद्यालय में विज्ञान दीवार का निर्माण करवाया है, जिसमें विद्यार्थी अपनी जिज्ञासाओं का लेखन करते हैं एवं किसी भी प्रकार का प्रश्न होने पर उसे लिख देते हैं। शिक्षक द्वारा उसका समाधान किया जाता है।

माधव प्रसाद पटेल ने विद्यालय में विज्ञान दीवार का निर्माण कराया है। वे पुराने अखबारों के माध्यम से छात्रों को संज्ञा और सर्वनाम का ज्ञान देते हैं।

शिक्षक श्री पटेल पुराने अखबारों के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं। वे अखबार में अपने छात्रों को संज्ञा, सर्वनाम, विरोधी शब्द खोजने के लिये कहते हैं। इस विधि से छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि होती है। शिक्षक श्री पटेल विद्यालय बंद होने पर अवकाश के दिवस या रविवार को मोटर साइकिल पर पुस्तकें बांध कर मोहल्ले-मोहल्ले जाते हैं। उनके ऐसा करने पर विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ी है।

शिक्षक श्री माधव पटेल ने अपने क्षेत्र के ग्रामों में लर्निंग बोर्ड बनवाये। उन्होंने पूर्व छात्रों को चिन्हित कर शैक्षिक गतिविधियों से जुड़ने के लिये प्रोत्साहित किया। शिक्षक श्री पटेल ने दीवार लेखन के माध्यम से गणित एवं अंग्रेजी की अवधारणाओं को गाँव के प्रमुख स्थानों को चिन्हित कर लिखवाया। उन्होंने अपने क्षेत्र में खेत पाठशाला की भी शुरूआत की। अभिभावकों की कृषि पृष्ठभूमि होने के कारण उनके बच्चों को खेत और उसके आसपास ही पढ़ाने का प्रबंध किया।